What Is Motivation?

Motivation is the process that initiates, guides, and maintains goal-oriented behaviors. It is what causes you to act, whether it is getting a glass of water to reduce thirst or reading a book to gain knowledge.

Motivation involves the biological, emotional, social, and cognitive forces that activate behavior. In everyday usage, the term "motivation" is frequently used to describe why a person does something. It is the driving force behind human actions.

Motivation doesn't just refer to the factors that activate behaviors; it also involves the factors that direct and maintain these goal-directed actions (though such motives are rarely directly observable). As a result, we often have to infer the reasons why people do the things that they do based on observable behaviors.

[10:02 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: प्रेरणा क्या है?

प्रेरणा वह प्रक्रिया है जो लक्ष्य-उन्मुख व्यवहारों को आरंभ करती है, निर्देशित करती है, और बनाए रखती है। यह वह कार्य है जिसके कारण आपको प्यास कम करने के लिए एक गिलास पानी मिल रहा है या ज्ञान प्राप्त करने के लिए पुस्तक पढ़ना है।

प्रेरणा में जैविक, भावनात्मक, सामाजिक और संज्ञानात्मक बल शामिल होते हैं जो व्यवहार को सक्रिय करते हैं। रोजमर्रा के उपयोग में, "प्रेरणा" शब्द का उपयोग अक्सर यह बताने के लिए किया जाता है कि कोई व्यक्ति कुछ क्यों करता है। यह मानवीय कार्यों के पीछे प्रेरक शक्ति है।

प्रेरणा उन कारकों को संदर्भित नहीं करती है जो व्यवहार को सक्रिय करते हैं; इसमें ऐसे कारक भी शामिल होते हैं जो इन लक्ष्य-निर्देशित क्रियाओं को निर्देशित और बनाए रखते हैं (हालांकि इस तरह के उद्देश्य शायद ही कभी प्रत्यक्ष होते हैं)। नतीजतन, हमें अक्सर उन कारणों का पता लगाना पड़ता है कि लोग उन कार्यों को क्यों करते हैं जो वे अवलोकनीय व्यवहारों के आधार पर करते हैं।

[10:02 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: प्रेरणा म्हणजे काय?

प्रेरणा ही अशी प्रक्रिया आहे जी लक्ष्याभिमुख वर्तन सुरू करते, मार्गदर्शन करते आणि देखरेख करते. यामुळे आपल्याला कृती करण्यास कारणीभूत ठरते, तहान कमी करण्यासाठी पाण्याचा ग्लास मिळत आहे की ज्ञान मिळवण्यासाठी एखादे पुस्तक वाचत आहे.

प्रेरणामध्ये जैविक, भावनिक, सामाजिक आणि संज्ञानात्मक शक्तींचा समावेश आहे जे वर्तन सक्रिय करतात. दररोज वापरात, एखादी व्यक्ती काहीतरी का करते हे वर्णन करण्यासाठी "प्रेरणा" हा शब्द वारंवार वापरला जातो. ही मानवी कृतीमागील प्रेरक शक्ती आहे.

प्रेरणा म्हणजे केवळ वर्तणूक सक्रिय करणाऱ्या घटकांचा संदर्भ नाही; यामध्ये या ध्येय-निर्देशित क्रियांना निर्देशित आणि देखरेख करणाऱ्या घटकांचा देखील समावेश आहे (असे हेतू क्वचितच थेट निरीक्षण करण्यायोग्य असतात). परिणामस्वरुप, लोक बऱ्याचदा निरीक्षण करण्यायोग्य वर्तनांवर आधारित लोक करत असलेल्या कारणामागील कारणे शोधून काढली पाहिजेत.

[10:02 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: ***Uses***

There are many different uses for motivation. It serves as a guiding force for all human behavior, but understanding how it works and the factors that may impact it can be important in a number of ways.

Understanding motivation can:

Help improve the efficiency of people as they work toward goals

Help people take action

Encourage people to engage in health-oriented behaviors

Help people avoid unhealthy or maladaptive behaviors such as risk-taking and addiction

Help people feel more in control of their lives

Improve overall well-being and happiness

[10:03 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: उपयोग

प्रेरणा के लिए कई अलग-अलग उपयोग हैं। यह सभी मानव व्यवहार के लिए एक मार्गदर्शक बल के रूप में कार्य करता है, लेकिन यह समझना कि यह कैसे काम करता है और कारक जो इसे प्रभावित कर सकते हैं, यह कई मायनों में महत्वपूर्ण हो सकता है।

समझ प्रेरणा कर सकते हैं:

लोगों की दक्षता को बेहतर बनाने में मदद करें क्योंकि वे लक्ष्यों की ओर काम करते हैं

लोगों को कार्रवाई करने में मदद करें

लोगों को स्वास्थ्य उन्मुख व्यवहार में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करें

लोगों को अस्वास्थ्यकर या घातक व्यवहार जैसे जोखिम लेने और नशे की लत से बचने में मदद करें

लोगों को अपने जीवन के नियंत्रण में अधिक महसूस करने में मदद करें

समग्र भलाई और खुशी में सुधार करें

[10:03 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: वापर

प्रेरणेचे बरेच भिन्न उपयोग आहेत. हे सर्व मानवी वर्तनांसाठी मार्गदर्शक शक्ती म्हणून काम करते, परंतु ते कसे कार्य करते हे समजून घेणे आणि त्यास प्रभावित करणारे घटक अनेक मार्गांनी महत्त्वपूर्ण असू शकतात.

प्रेरणा समजून घेऊ शकता:

लोक लक्ष्यांकडे कार्य करीत असताना त्यांची कार्यक्षमता सुधारण्यास मदत करा

लोकांना कारवाई करण्यात मदत करा

लोकांना आरोग्याभिमुख वागणुकीत गुंतण्यासाठी प्रोत्साहित करा

धोकादायक आणि व्यसनमुक्तीसारख्या अपायकारक किंवा विकृती टाळण्यास लोकांना मदत करा

लोकांना त्यांच्या आयुष्यावर अधिक नियंत्रण ठेवण्यात मदत करा

एकूणच कल्याण आणि आनंद सुधारित करा

[10:04 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: *Impact*

Anyone who has ever had a goal (like wanting to lose 20 pounds or run a marathon) probably immediately realizes that simply having the desire to accomplish something is not enough. Achieving such a goal requires the ability to persist through obstacles and endurance to keep going in spite of difficulties.

There are three major components of motivation: activation, persistence, and intensity.3

Activation involves the decision to initiate a behavior, such as enrolling in a psychology class.

Persistence is the continued effort toward a goal even though obstacles may exist. An example of persistence would be taking more psychology courses in order to earn a degree although it requires a significant investment of time, energy, and resources.

Intensity can be seen in the concentration and vigor that goes into pursuing a goal.4 For example, one student might coast by without much effort, while another student will study regularly, participate in discussions, and take advantage

of research opportunities outside of class. The first student lacks intensity, while the second pursues their educational goals with greater intensity.

The degree of each of these components of motivation can impact whether or not you achieve your goal. Strong activation, for example, means that you are more likely to start pursuing a goal. Persistence and intensity will determine if you keep working toward that goal and how much effort you devote to reaching it.

[10:05 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: प्रभाव

जिस किसी का भी कभी कोई लक्ष्य रहा हो (जैसे 20 पाउंड कम करना या मैराथन दौड़ना) शायद तुरंत एहसास हो जाता है कि बस कुछ हासिल करने की इच्छा होना ही काफी नहीं है। इस तरह के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बाधाओं और धीरज के माध्यम से लगातार कठिनाइयों को जारी रखने की क्षमता की आवश्यकता होती है।

प्रेरणा के तीन प्रमुख घटक हैं: सक्रियता, दृढ़ता और तीव्रता ।3

सक्रियण में एक व्यवहार शुरू करने का निर्णय शामिल है, जैसे कि मनोविज्ञान वर्ग में नामांकन।

दृढ़ता एक लक्ष्य की ओर निरंतर प्रयास है भले ही बाधाएं मौजूद हों। दृढ़ता का एक उदाहरण डिग्री हासिल करने के लिए अधिक मनोविज्ञान पाठ्यक्रम लेना होगा, हालांकि इसके लिए समय, ऊर्जा और संसाधनों के महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता होती है।

एक लक्ष्य का पीछा करने में लगने वाली एकाग्रता और ताक़त में तीव्रता देखी जा सकती है। 4 उदाहरण के लिए, एक छात्र बिना अधिक प्रयास के तट पर पहुंच सकता है, जबकि दूसरा छात्र नियमित रूप से अध्ययन करेगा, चर्चा में भाग लेगा, और कक्षा के बाहर शोध के अवसरों का लाभ उठाएगा। । पहले छात्र में तीव्रता का अभाव होता है, जबकि दूसरा अधिक तीव्रता के साथ अपने शैक्षिक लक्ष्यों का पीछा करता है।

प्रेरणा के इन घटकों में से प्रत्येक की डिग्री आपके लक्ष्य को प्राप्त करने या न करने पर प्रभाव डाल सकती है। उदाहरण के लिए मजबूत सक्रियण का अर्थ है कि आप किसी लक्ष्य का पीछा करना शुरू करने की अधिक संभावना रखते हैं। दृढ़ता और तीव्रता यह निर्धारित करेगी कि क्या आप उस लक्ष्य की दिशा में काम कर रहे हैं और आप उस तक पहुंचने के लिए कितना प्रयास करते हैं।

[10:05 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: प्रभाव

ज्याचे कधीही ध्येय आहे (जसे की 20 पाउंड गमावू किंवा मॅरेथॉन चालवायचे आहे) कदाचित ताबडतोब लक्षात आले की काहीतरी साध्य करण्याची इच्छा असणे पुरेसे नाही. असे ध्येय गाठण्यासाठी अडचणी असूनही धैर्य टिकवून ठेवण्याची क्षमता आवश्यक आहे.

प्रेरणेचे तीन प्रमुख घटक आहेत: सक्रियता, चिकाटी आणि तीव्रता .3

सक्रियतेमध्ये मनोविज्ञान वर्गात प्रवेश घेण्यासारखे वर्तन सुरू करण्याच्या निर्णयाचा समावेश असतो.

दृढनिश्चय हे उद्दीष्टापूर्वीचे अविरत प्रयत्न असूनही अडथळे असू शकतात. चिकाटीचे उदाहरण म्हणजे पदवी मिळविण्यासाठी अधिक मानसशास्त्र अभ्यासक्रम घेणे हे आवश्यक आहे जरी त्यासाठी वेळ, उर्जा आणि संसाधनांच्या महत्त्वपूर्ण गुंतवणूकीची आवश्यकता आहे.

ध्येय साध्य करण्यासाठी लागणाration्या एकाग्रता आणि जोमात तीव्रता दिसून येते. उदाहरणार्थ, एखादा विद्यार्थी जास्त प्रयत्न न करता तटबंदी करू शकतो, तर दुसरा विद्यार्थी नियमितपणे अभ्यास करेल, चर्चेत भाग घेईल आणि वर्गाबाहेरील संशोधनाच्या

संधींचा फायदा घेईल . पहिल्या विद्यार्थ्यास तीव्रतेचा अभाव असतो, तर दुसरा विद्यार्थी जास्त शैक्षणिक लक्ष्यांसह त्यांचे शैक्षणिक लक्ष्य ठेवतो.

प्रेरणा या घटकांपैकी प्रत्येकाची डिग्री आपण आपले ध्येय साध्य करू किंवा नाही यावर परिणाम करू शकते. मजबूत सक्रियन, उदाहरणार्थ, याचा अर्थ असा आहे की आपण ध्येय गाठायला लागण्याची अधिक शक्यता आहे. आपण त्या ध्येयासाठी कार्य करत राहिल्यास आणि आपण त्यापर्यंत पोहोचण्यासाठी किती प्रयत्न केले हे दृढता आणि तीव्रता निश्चित करते.

[10:09 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: **Motivation: Meaning, Definition, Nature and Types**

[10:09 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: *Meaning*:

Motivation is an important factor which encourages persons to give their best performance and help in reaching enterprise goals. A strong positive motivation will enable the increased output of employees but a negative motivation will reduce their performance. A key element in personnel management is motivation.

According to Likert, ''It is the core of management which shows that every human being gives him a sense of worth in face-to face groups which are most important to him....A supervisor should strive to treat individuals with dignity and a recognition of their personal worth.''

[10:10 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: अर्थ:

प्रेरणा एक महत्वपूर्ण कारक है जो व्यक्तियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने और उद्यम लक्ष्यों तक पहुंचने में मदद करने के लिए प्रोत्साहित करता है। एक मजबूत सकारात्मक प्रेरणा कर्मचारियों के बढ़ते उत्पादन को सक्षम करेगी लेकिन एक नकारात्मक प्रेरणा उनके प्रदर्शन को कम कर देगी। कार्मिक प्रबंधन में एक प्रमुख तत्व प्रेरणा है।

लिकर्ट के अनुसार, "यह प्रबंधन का मूल है जो दर्शाता है कि प्रत्येक मनुष्य उसे आमने-सामने के समूहों के लिए मूल्य की भावना देता है जो उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं ...। पर्यवेक्षक को गरिमा और मान्यता के साथ व्यक्तियों का इलाज करने का प्रयास करना चाहिए। उनका व्यक्तिगत मूल्य। ”

[10:10 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: याचा अर्थ:

प्रेरणा हा एक महत्वाचा घटक आहे जो लोकांना त्यांची उत्कृष्ट कामगिरी करण्यास उद्युक्त करतो आणि एंटरप्राइझ लक्ष्यापर्यंत पोहोचण्यात मदत करतो. एक मजबूत सकारात्मक प्रेरणा कर्मचाऱ्यांची वाढीव उत्पादन सक्षम करेल परंतु नकारात्मक प्रेरणामुळे त्यांची कार्यक्षमता कमी होईल. कर्मचारी व्यवस्थापनातील एक महत्त्वाचा घटक म्हणजे प्रेरणा.

लिकर्टच्या म्हणण्यानुसार, “हे व्यवस्थापनाचे मुख्य सूत्र आहे जे दर्शविते की प्रत्येक माणूस त्याला आपल्यासाठी सर्वात महत्वाच्या समोरासमोर असलेल्या गटांमध्ये योग्यतेची जाणीव देतो.... एखाद्या पर्यवेक्षकाने एखाद्या व्यक्तीला सन्मानाने आणि त्याला मान्यता देण्याचा प्रयत्न केला पाहिजे त्यांची वैयक्तिक किंमत. ”

[10:11 am, 25/02/2021] ☆BC III Seema Shyamdatt Vishwakarma: Thank you sir

[10:13 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: **Some definitions are discussed as follows:**

Berelson and Steiner:

"A motive is an inner state that energizes, activates, or moves and directs or channels behaviour goals."

Lillis:

"It is the stimulation of any emotion or desire operating upon one's will and promoting or driving it to action."

The Encyclopedia of Management:

"Motivation refers to degree of readiness of an organism to pursue some designated goal and implies the determination of the nature and locus of the forces, including the degree of readiness."

Dubin:

"Motivation is the complex of forces starting and keeping a person at work in an organization."

Vance:

"Motivation implies any emotion or desire which so conditions one's will that the individual is properly led into action."

Vitiles:

"Motivation represents an unsatisfied need which creates a state of tension or disequilibrium, causing the individual to make in a goal-directed pattern towards restoring a state of equilibrium by satisfying the need."\

Memoria:

"A willingness to expend energy to achieve a goal or reward. It is a force that activates dormant energies and sets in motion the action of the people. It is the function that kindles a burning passion for action among the human beings of an organisation."

[10:13 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: कुछ परिभाषाओं पर चर्चा इस प्रकार है:

बेरेल्सन और स्टेनर:

"एक मकसद एक आंतरिक स्थिति है जो सक्रियता, सक्रियता या चाल या व्यवहार व्यवहार लक्ष्यों को सक्रिय करता है।"

लिलिस:

"यह किसी की इच्छा या किसी की इच्छा पर काम करने या उसे बढ़ावा देने या उसे चलाने के लिए प्रेरित करने की उत्तेजना है।"

प्रबंधन का विश्वकोश:

"प्रेरणा कुछ निर्दिष्ट लक्ष्य का पीछा करने के लिए एक जीव की तत्परता की डिग्री को संदर्भित करता है और तात्कालिकता की डिग्री सहित प्रकृति और बलों के ठिकाने के निर्धारण का मतलब है।"

डबलिन:

"प्रेरणा एक संगठन में काम करने वाले व्यक्ति को शुरू करने और रखने के लिए बलों का परिसर है।"

वंस:

"प्रेरणा किसी भी भावना या इच्छा का अर्थ है जो किसी की इच्छा को पूरा करती है कि व्यक्ति को सही तरीके से कार्रवाई में लाया जाता है।"

विटाइल्स:

"प्रेरणा एक असंतुष्ट आवश्यकता का प्रतिनिधित्व करती है जो तनाव या असमानता की स्थिति पैदा करती है, जिससे व्यक्ति को आवश्यकता को संतुष्ट करके संतुलन की स्थिति को बहाल करने की दिशा में एक लक्ष्य-निर्देशित पैटर्न में बनाया जाता है।"

मेमोरिया:

“एक लक्ष्य या पुरस्कार प्राप्त करने के लिए ऊर्जा खर्च करने की इच्छा। यह एक ऐसी शक्ति है जो निष्क्रिय ऊर्जा को सक्रिय करती है और लोगों की क्रिया को गति देती है। यह एक ऐसा कार्य है जो एक संगठन के मनुष्यों के बीच कार्रवाई के लिए एक ज्वलंत जुनून पैदा करता है। ”

[10:14 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: खालीलप्रमाणे काही व्याख्या चर्चा केल्या आहेतः

बेरेलसन आणि स्टीनर:

"हेतू एक अंतर्गत अवस्था आहे जी वर्तन उद्दीष्टांना शक्ती देते, सक्रिय करते किंवा हलवते आणि निर्देशित करते किंवा चॅनेल करते."

लिलिस:

"एखाद्याच्या इच्छेनुसार कार्य करणे आणि त्यास कृती करण्यास प्रवृत्त करणे किंवा चालविणे ही कोणत्याही भावना किंवा उत्तेजनाची प्रेरणा आहे."

विश्वकोश व्यवस्थापन

“प्रेरणा म्हणजे एखाद्या विशिष्ट उद्दीष्टाच्या मागे लागण्यासाठी जीवाच्या तत्परतेची डिग्री होय आणि सैन्याच्या स्वभावाचे आणि लोकांचे निर्धार आणि तत्परतेसह ते दर्शविते.”

डबिन:

"प्रेरणा ही एखाद्या संस्थेमध्ये एखाद्या व्यक्तीस कामावर ठेवणे आणि सुरू ठेवणे ही एक जटिल शक्ती आहे."

व्हॅन:

"प्रेरणा म्हणजे कोणतीही भावना किंवा इच्छा सूचित होते ज्यामुळे एखाद्या व्यक्तीस योग्य प्रकारे कार्य करण्यास प्रवृत्त केले जाते."

विटाइल्स:

"प्रेरणा एक असमाधानी गरज प्रतिनिधित्व करते ज्यामुळे मानसिक तणाव किंवा अशक्तपणाची स्थिती निर्माण होते, ज्यामुळे एखाद्या व्यक्तीस आवश्यकतेची पूर्तता करून समतोल स्थिती पुनर्संचयित करण्याच्या उद्देशाने ध्येय-निर्देशित पद्धतीने बनविले जाते."

मेमोरिया:

“ध्येय किंवा बक्षीस मिळवण्यासाठी ऊर्जा खर्च करण्याची तयारी. हे एक शक्ती आहे जी सुप्त ऊर्जा सक्रिय करते आणि लोकांच्या कृतीत हालचाल करते. एखाद्या संस्थेच्या मानवांमध्ये कृती करण्याची तीव्र आवड निर्माण करणारे हे कार्य आहे. ”

[10:15 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: **The following are the types of motivation:**

1. Positive Motivation:

Positive motivation or incentive motivation is based on reward. The workers are offered incentives for achieving the desired goals. The incentives may be in the

shape of more pay, promotion, recognition of work, etc. The employees are offered the incentives and try to improve their performance willingly.

According to Peter Drucker, the real and positive motivators are responsible for placement, high standard of performance, information adequate for self- control and the participation of the worker as a responsible citizen in the plant community. Positive motivation is achieved by the co-operation of employees and they have a feeling of happiness.

[10:16 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: प्रेरणा के प्रकार निम्नलिखित हैं:

1. सकारात्मक प्रेरणा:

सकारात्मक प्रेरणा या प्रोत्साहन प्रेरणा इनाम पर आधारित है। श्रमिकों को वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन की पेशकश की जाती है। प्रोत्साहन अधिक वेतन, पदोन्नति, कार्य की मान्यता आदि के रूप में हो सकता है। कर्मचारियों को प्रोत्साहन की पेशकश की जाती है और अपने प्रदर्शन को स्वेच्छा से सुधारने की कोशिश करते हैं।

पीटर ड्रकर के अनुसार, वास्तविक और सकारात्मक प्रेरक प्लेसमेंट के लिए जिम्मेदार हैं, प्रदर्शन के उच्च स्तर, आत्म-नियंत्रण के लिए पर्याप्त जानकारी और संयंत्र समुदाय में एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में कार्यकर्ता की भागीदारी। सकारात्मक प्रेरणा कर्मचारियों के सहयोग से प्राप्त होती है और उन्हें खुशी की अनुभूति होती है।

[10:16 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: खालील प्रेरणाचे प्रकार आहेत:

1. सकारात्मक प्रेरणा:

सकारात्मक प्रेरणा किंवा प्रोत्साहन प्रेरणा बक्षीसवर आधारित आहे. कामगारांना इच्छित उद्दीष्टे साध्य करण्यासाठी प्रोत्साहन दिले जाते. प्रोत्साहन अधिक पगार, पदोन्नती, कामाची ओळख इत्यादींच्या स्वरूपात असू शकते. कर्मचाऱ्यांना प्रोत्साहन दिले जाते आणि त्यांची कामगिरी स्वेच्छेने सुधारण्याचा प्रयत्न केला जातो.

पीटर ड्रकर यांच्या मते, प्लेसमेंट, कार्यक्षमतेचे उच्च प्रमाण, आत्म-नियंत्रणासाठी पुरेशी माहिती आणि वनस्पती समुदायातील जबाबदार नागरिक म्हणून कामगारांच्या सहभागासाठी वास्तविक आणि सकारात्मक प्रेरक जबाबदार आहेत. कर्मचाऱ्यांच्या सहकार्याने सकारात्मक प्रेरणा मिळते आणि त्यांच्यात आनंदाची भावना असते.

[10:16 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: ***2. Negative Motivation***:

Negative or fear motivation is based on force or fear. Fear causes employees to act in a certain way. In case, they do not act accordingly then they may be punished with demotions or lay-offs. The fear acts as a push mechanism. The employees do not willingly co-operate, rather they want to avoid the punishment.

Though employees work up-to a level where punishment is avoided but this type of motivation causes anger and frustration. This type of motivation generally becomes a cause of industrial unrest. In spite of the drawbacks of negative motivation, this method is commonly used to achieve desired results. There may be hardly any management which has not used negative motivation at one or the other time.

[10:16 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: 2. नकारात्मक प्रेरणा:

नकारात्मक या भय प्रेरणा बल या भय पर आधारित है। डर कर्मचारियों को एक निश्चित तरीके से कार्य करने का कारण बनता है। मामले में, वे तदनुसार कार्य नहीं करते हैं तो उन्हें पदावनति या ले-ऑफ के साथ दंडित किया जा सकता है। भय एक धक्का तंत्र के रूप में कार्य करता है। कर्मचारी स्वेच्छा से सहयोग नहीं करते हैं, बल्कि वे सजा से बचना चाहते हैं।

हालांकि कर्मचारी एक स्तर तक काम करते हैं जहां सजा से बचा जाता है लेकिन इस प्रकार की प्रेरणा से क्रोध और निराशा होती है। इस प्रकार की प्रेरणा आम तौर पर औद्योगिक अशांति का कारण बन जाती है। नकारात्मक प्रेरणा की कमियों के बावजूद, इस पद्धति का उपयोग आमतौर पर वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए किया जाता है। शायद ही कोई प्रबंधन हो सकता है जिसने एक या दूसरे समय में नकारात्मक प्रेरणा का उपयोग नहीं किया हो।

[10:17 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: २. नकारात्मक प्रेरणा:

नकारात्मक किंवा भीती प्रेरणा शक्ती किंवा भीतीवर आधारित असते. भीतीमुळे कर्मचारी विशिष्ट मार्गाने वागतात. जर ते त्यानुसार कार्य करीत नाहीत तर त्यांना डिमोशन किंवा ले-ऑफसह शिक्षा होऊ शकते. भीती एक पुश यंत्रणा म्हणून कार्य करते. कर्मचारी स्वेच्छेने सहकार्य करीत नाहीत, उलट त्यांना शिक्षा टाळायची आहे.

जरी कर्मचारी अशा पातळीवर काम करतात जेथे शिक्षा टाळली जाते परंतु या प्रकारच्या प्रेरणामुळे राग आणि निराशा येते. या प्रकारची प्रेरणा सहसा औद्योगिक अस्वस्थतेचे कारण बनते. नकारात्मक प्रेरणा च्या कमतरता असूनही, ही पद्धत सामान्यत: इच्छित परिणाम प्राप्त करण्यासाठी वापरली जाते. कदाचित अशी कोणतीही व्यवस्था असेल ज्यात एकतर किंवा इतर वेळी नकारात्मक प्रेरणा वापरली गेली नसेल.

[10:26 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: ***Following are the importance of motivation in an organization:***

1. Greater efficiency:

Motivation enhances the efficiency of the employees and of organization. When employees are motivated, they can perform with commitment and dedication.

2. Reduction in absenteeism and labour turnover:

Motivated employees may not remain absent or leave the organization. They develop a sense of belonging towards the organization and thus improve their overall performance.

3. Team spirit:

Motivation improves team spirit of employees, and this improves the work environ-ment and the overall performance of the employee and the organization.

4. Reduction in wastages and breakages:

Motivated employees take great care in handling machines and other resources. This will reduce wastages and breakages, thus resulting in higher benefits to the organization.

5. Cordial relations:

Motivation enables cordial and healthy relationship in the organization. Moti-vation helps reduce labour grievances and disputes. It ensures sound relations between the man-agement and the labour. It improves the overall efficiency of the organization.

6. Promotion of innovation:

Motivated employees use their initiative to find out innovative ways in the performance of their operations. Such employees are more creative and help the organization to gain the competitive advantage.

7. Optimum use of resources:

Motivation leads to greater employee involvement and lesser wast-ages. This leads to optimum utilization of resources.

8. Corporate image:

Motivated employees are more loyal to the organization. They work with a sense of commitment and dedication. This improves the overall performance of the employee, which enables better results for the company. This results in better relations with all the stakeholders.

[10:28 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: संस्थेमध्ये प्रेरणा करण्याचे महत्त्व खालीलप्रमाणे आहे:

1. मोठी कार्यक्षमता:

प्रेरणा कर्मचाऱ्यांची आणि संस्थेची कार्यक्षमता वाढवते. जेव्हा कर्मचारी प्रवृत्त होतात तेव्हा ते वचनबद्धतेने आणि समर्पणाने सादर करू शकतात.

२. अनुपस्थिति आणि कामगार उलाढाल कमी:

प्रवृत्त कर्मचारी अनुपस्थित राहू शकत नाहीत किंवा संघटना सोडू शकत नाहीत. ते संघटनेशी संबंधित असल्याची भावना विकसित करतात आणि अशा प्रकारे त्यांची एकूण कार्यक्षमता सुधारते.

Team. कार्यसंघ आत्मा:

प्रेरणा कर्मचाऱ्यांच्या कार्यसंघाची भावना सुधारते आणि यामुळे कामाचे वातावरण आणि कर्मचारी आणि संस्थेची एकूण कार्यक्षमता सुधारते.

Was. कचरा आणि मोडतोड कमी:

प्रवृत्त कर्मचारी मशीन आणि इतर संसाधने हाताळण्यात खूप काळजी घेतात. यामुळे कचरा आणि मोडतोड कमी होईल, परिणामी संस्थेला जास्त फायदा होईल.

C. सौहार्दपूर्ण संबंध:

प्रेरणा संस्थेमध्ये सौहार्दपूर्ण आणि निरोगी संबंध सक्षम करते. प्रेरणा श्रमिकांच्या तक्रारी आणि विवाद कमी करण्यात मदत करते. हे व्यवस्थापन आणि कामगार यांच्यात सुमधुर संबंधांची खात्री करते. हे संस्थेची एकूण कार्यक्षमता सुधारते.

Innov. नाविन्यास प्रोत्साहन:

प्रवृत्त कर्मचारी त्यांच्या कार्याच्या कार्यप्रदर्शनात नवीन मार्ग शोधण्यासाठी त्यांच्या पुढाकाराचा उपयोग करतात. असे कर्मचारी अधिक सर्जनशील असतात आणि स्पर्धात्मक फायदा मिळविण्यासाठी संस्थेला मदत करतात.

7. संसाधनांचा इष्टतम वापर:

प्रेरणा कर्मचाऱ्यांचा जास्त सहभाग आणि कमी कचरा होऊ शकते. यामुळे संसाधनांचा अधिकाधिक उपयोग होतो.

8. कॉर्पोरेट प्रतिमा:

प्रवृत्त कर्मचारी संघटनेत अधिक निष्ठावान असतात. ते वचनबद्धता आणि समर्पण भावनेने कार्य करतात. यामुळे कर्मचाऱ्यांची एकूण कामगिरी सुधारते जी कंपनीला चांगले परिणाम सक्षम करते. याचा परिणाम सर्व भागधारकांशी संबंध अधिक चांगला होतो

[10:28 am, 25/02/2021] ☆BC III Ruchi Tiwari: Tq sir

[10:28 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: एक संगठन में प्रेरणा के महत्व निम्नलिखित हैं:

1. अधिक से अधिक दक्षता:

प्रेरणा कर्मचारियों और संगठन की दक्षता को बढ़ाती है। जब कर्मचारियों को प्रेरित किया जाता है, तो वे प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ प्रदर्शन कर सकते हैं।

2. अनुपस्थिति और श्रम कारोबार में कमी:

प्रेरित कर्मचारी अनुपस्थित नहीं रह सकते हैं या संगठन को छोड़ नहीं सकते हैं। वे संगठन के प्रति अपनेपन की भावना विकसित करते हैं और इस प्रकार अपने समग्र प्रदर्शन में सुधार करते हैं।

3. टीम भावना:

प्रेरणा कर्मचारियों की टीम भावना में सुधार करती है, और यह काम के माहौल और कर्मचारी और संगठन के समग्र प्रदर्शन में सुधार करती है।

4. अपव्यय और टूटने में कमी:

प्रेरित कर्मचारी मशीनों और अन्य संसाधनों को संभालने में बहुत सावधानी बरतते हैं। यह अपव्यय और टूट-फूट को कम करेगा, इस प्रकार संगठन को अधिक लाभ होगा।

5. सौहार्दपूर्ण संबंध:

प्रेरणा संगठन में सौहार्दपूर्ण और स्वस्थ संबंध को सक्षम बनाता है। प्रेरणा श्रम की शिकायतों और विवादों को कम करने में मदद करती है। यह प्रबंधन और श्रम के बीच मधुर संबंध सुनिश्चित करता है। यह संगठन की समग्र दक्षता में सुधार करता है।

6. नवाचार को बढ़ावा देना:

प्रेरित कर्मचारी अपने संचालन के प्रदर्शन में अभिनव तरीके खोजने के लिए अपनी पहल का उपयोग करते हैं। ऐसे कर्मचारी अधिक रचनात्मक होते हैं और संगठन को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्राप्त करने में मदद करते हैं।

7. संसाधनों का इष्टतम उपयोग:

प्रेरणा अधिक से अधिक कर्मचारी भागीदारी और कम अपव्यय की ओर ले जाती है। इससे संसाधनों का इष्टतम उपयोग होता है।

8. कॉर्पोरेट छवि:

प्रेरित कर्मचारी संगठन के प्रति अधिक वफादार होते हैं। वे प्रतिबद्धता और समर्पण की भावना के साथ काम करते हैं। इससे कर्मचारी के समग्र प्रदर्शन में सुधार होता है, जो कंपनी के लिए बेहतर परिणाम प्रदान करता है। इससे सभी हितधारकों के साथ बेहतर संबंध बनते हैं

[10:30 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: ***Characteristics/Features of Motivation:***

1. Interaction between the individual and the situation:

Motivation is not a personal trait but an interaction between the individual and the situation.

2. Goal-directed behaviour:

Motivation leads to an action that is goal oriented. Motivation leads to accomplishment of organizational goals and satisfaction of personal needs.

3. Systems oriented:

Motivation is influenced by two forces:

a. Internal forces:

These forces are internal to the individual, i.e., their needs, wants and nature.

b. External forces:

These forces are external to the individual, which may be organizational related such as management philosophy, organizational structure, and superior-subordinate relationship, and also the forces found in the external environment such as culture, customs, religion and values.

4. Positive or negative:

Positive motivation or the carrot approach offers positive incentives such as appreciation, promotion, status and incentives. Negative motivation or stick approach emphasizes penalties, fines and punishments.

5. Dynamic and complex in nature:

Human behaviour is highly complex, and it becomes extremely difficult to understand people at work. Motivation is a dynamic and complex process.

[10:31 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: प्रेरणा की विशेषताएं / विशेषताएं:

1. व्यक्ति और स्थिति के बीच सहभागिता:

अभिप्रेरणा एक व्यक्तिगत विशेषता नहीं है, बल्कि व्यक्ति और स्थिति के बीच एक अंतर्क्रिया है।

2. लक्ष्य-निर्देशित व्यवहार:

प्रेरणा एक ऐसी कार्रवाई की ओर ले जाती है जो लक्ष्य उन्मुख होती है। प्रेरणा संगठनात्मक लक्ष्यों की पूर्ति और व्यक्तिगत आवश्यकताओं की संतुष्टि की ओर ले जाती है।

3. सिस्टम उन्मुख:

प्रेरणा दो बलों से प्रभावित होती है:

ए। आंतरिक बल:

ये शक्तियाँ व्यक्ति के लिए आंतरिक होती हैं, यानी, उनकी ज़रूरतें, चाहतें और स्वभाव।

बी बाहरी ताक़तें:

ये बल व्यक्ति के लिए बाहरी हैं, जो संगठनात्मक संबंधित हो सकते हैं जैसे प्रबंधन दर्शन, संगठनात्मक संरचना और श्रेष्ठ-अधीनस्थ संबंध, और बाहरी वातावरण जैसे संस्कृति, रीति-रिवाज, धर्म और मूल्यों में पाए जाने वाले बल भी।

4. सकारात्मक या नकारात्म...

[10:31 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: प्रेरणेची वैशिष्ट्ये / वैशिष्ट्ये:

1. व्यक्ती आणि परिस्थिती दरम्यान संवाद:

प्रेरणा एक वैयक्तिक वैशिष्ट्य नसून ती व्यक्ती आणि परिस्थिती दरम्यानचा संवाद आहे.

२. ध्येय-निर्देशित वर्तनः

प्रेरणा लक्ष्य देणारं कृती ठरवते. प्रेरणा संस्थात्मक उद्दीष्टांची पूर्तता आणि वैयक्तिक गरजा पूर्ण करण्यास प्रवृत्त करते.

सिस्टम देणारं:

प्रेरणा दोन शक्तींनी प्रभावित होते:

अ. अंतर्गत सैन्याने:

या शक्ती व्यक्ती अंतर्गत असतात, म्हणजेच त्यांच्या गरजा, इच्छा आणि निसर्ग.

बी. बाह्य शक्ती:

या सैन्याने व्यक्तिमत्त्वात बाह्य आहेत, जे व्यवस्थापन तत्वज्ञान, संघटनात्मक संरचना आणि श्रेष्ठ-अधीनस्थ संबंध यासारख्या संघटनात्मक संबंधित असू शकतात आणि संस्कृती, चालीरिती, धर्म आणि मूल्ये यासारख्या बाह्य वातावरणात आढळणारी शक्ती देखील असू शकतात.

सकारात्मक किंवा नकारात्मक:

सकारात्मक प्रेरणा किंवा गाजर दृष्टीकोन कौतुक, पदोन्नती, स्थिती आणि प्रोत्साहन यासारखे सकारात्मक प्रोत्साहन देते. नकारात्मक प्रेरणा किंवा काठी दृष्टिकोन दंड, दंड आणि शिक्षा यावर जोर देते.

डायनॅमिक आणि जटिल निसर्ग:

मानवी वर्तन अत्यंत जटिल आहे, आणि कामावर असलेल्या लोकांना समजणे अत्यंत कठीण होते. प्रेरणा एक गतिमान आणि जटिल प्रक्रिया आहे

[11:08 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: (1) Motivation is an Internal Feeling:

Motivation is a psychological concept which lies within a person. First of all some needs appear in the mind of an individual which affect his behaviour. He wants to do some work in order to satisfy those needs.

(2) Motivation Produces Goal-directed Behaviour: Motivation is a power which leads the employees to the achievement of their goal. The behaviour of the motivated employees clearly shows that they are inclined towards the achievement of their goal. For example, promotion is a technique of motivation. The employees who desire to be promoted definitely improve their work performance.

(3) Motivation can be either Positive or Negative:

There are two types of employees from the point of view of motivation-laborious as well as shirkers. Those employees who are laborious in the true sense of the word are encouraged with some awards.

This is called positive motivation. On the other hand, those workers who are by nature shirkers are encouraged to work with the threat of demotion, suspension or termination. Such people start working because of the fear factor. This is called negative motivation.

(4) Motivation is a Complex Process:

All the people working in an organisation have different nature. All have different needs. Therefore, everybody cannot be motivated with only one motivator. Keeping in mind the needs of the person concerned, monetary and non-monetary techniques are used. Therefore, it is a complex process.

[11:09 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: (1) प्रेरणा एक आंतरिक भावना है:

प्रेरणा एक मनोवैज्ञानिक अवधारणा है जो किसी व्यक्ति के भीतर निहित है। सबसे पहले कुछ आवश्यकताओं को एक व्यक्ति के दिमाग में प्रकट होता है जो उसके व्यवहार को प्रभावित करता है। वह उन जरूरतों को पूरा करने के लिए कुछ काम करना चाहता है।

(२) प्रेरणा लक्ष्य-निर्देशित व्यवहार का निर्माण करती है: प्रेरणा एक शक्ति है जो कर्मचारियों को उनके लक्ष्य की प्राप्ति की ओर ले जाती है। प्रेरित कर्मचारियों के व्यवहार से स्पष्ट होता है कि उनका झुकाव अपने लक्ष्य की प्राप्ति की ओर है। उदाहरण के लिए, पदोन्नति प्रेरणा की एक तकनीक है। जिन कर्मचारियों को पदोन्नत करने की इच्छा है, वे निश्चित रूप से अपने कार्य प्रदर्शन में सुधार करते हैं।

(3) प्रेरणा सकारात्मक या नकारात्मक हो सकती है:

प्रेरणा-श्रम के साथ-साथ शायरों के दृष्टिकोण से भी दो प्रकार के कर्मचारी हैं। जो कर्मचारी शब्द के सही अर्थों में श्रमसाध्य हैं, उन्हें कुछ पुरस्कारों के साथ प्रोत्साहित किया जाता है।

इसे सकारात्मक प्रेरणा कहा जाता है। दूसरी ओर, उन श्रमिकों को जो प्रकृति शिरोकर्स द्वारा होते हैं, को डिमोशन, निलंबन या समाप्ति के खतरे के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ऐसे लोग भय कारक के कारण काम करना शुरू कर देते हैं। इसे नकारात्मक प्रेरणा कहा जाता है।

(4) प्रेरणा एक जटिल प्रक्रिया है:

एक संगठन में काम करने वाले सभी लोगों का स्वभाव अलग होता है। सभी की अलग-अलग जरूरतें होती हैं। इसलिए, सभी को केवल एक प्रेरक के साथ प्रेरित नहीं किया जा सकता है। संबंधित व्यक्ति की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, मौद्रिक और गैर-मौद्रिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इसलिए, यह एक जटिल प्रक्रिया है।

[11:09 am, 25/02/2021] Dr kg Meshram: (१) प्रेरणा ही अंतर्गत भावना आहे:

प्रेरणा ही एक मानसिक संकल्पना आहे जी एखाद्या व्यक्तीमध्ये असते. सर्व प्रथम काही गरजा त्या व्यक्तीच्या मनात दिसतात ज्याचा त्याच्या वागण्यावर परिणाम होतो. त्या गरजा पूर्ण करण्यासाठी त्याला काही काम करायचे आहे.

(२) प्रेरणा ध्येय-निर्देशित वर्तनाची निर्मिती करते: प्रेरणा ही एक अशी शक्ती आहे जी कर्मचार्यांना त्यांचे लक्ष्य साध्य करते. प्रवृत्त कर्मचाऱ्यांच्या वागण्यावरून हे स्पष्ट होते की ते त्यांचे लक्ष्य साध्य करण्याकडे झुकत आहेत. उदाहरणार्थ, जाहिरात करणे ही प्रेरणा देण्याचे तंत्र आहे. ज्या कर्मचा .्यांना पदोन्नती मिळण्याची इच्छा आहे त्यांचे कामकाज निश्चितच सुधारेल.

()) प्रेरणा एकतर सकारात्मक किंवा नकारात्मक असू शकते:

प्रेरणा-कष्टकरी तसेच शिर्कर्स या दृष्टिकोनातून दोन प्रकारचे कर्मचारी आहेत. जे कर्मचारी शब्दाच्या खऱ्या अर्थाने कष्ट करतात त्यांना काही पुरस्कारांसह प्रोत्साहित केले जाते.

याला सकारात्मक प्रेरणा म्हणतात. दुसरीकडे, जे कामगार निसर्ग शिर्काद्वारे आहेत त्यांना विध्वंस, निलंबन किंवा संपुष्टात आणण्याच्या धमकीसह कार्य करण्यास प्रोत्साहित केले जाते. असे लोक भय घटकांमुळे काम करण्यास सुरवात करतात. याला नकारात्मक प्रेरणा म्हणतात.

()) प्रेरणा ही एक जटिल प्रक्रिया आहे:

संस्थेत काम करणाऱ्या सर्व लोकांचे स्वभाव वेगवेगळे असतात. सर्वांना वेगवेगळ्या गरजा असतात. म्हणून, प्रत्येकास केवळ एका प्रेरकांसह प्रेरित केले जाऊ शकत नाही. संबंधित व्यक्तीच्या गरजा लक्षात घेऊन आर्थिक आणि गैर-आर्थिक तंत्रांचा वापर केला जातो. म्हणून, ही एक जटिल प्रक्रिया आहे.

==========kg==========